लगवादे अर्जेंट नौकरी खाटू में | By Amit Brijwasi

मैं करूँगा परमानेंट नौकरी खाटू में
मुझे बनवा दो अर्जेंट झोपडी खाटू में

नौकर बन कर तेरे दर का अपना गुज़ारा कर लूंगा
खा खा कर प्रसाद तुम्हारा पेट मैं अपना भर लूंगा
ना मांगू डिसेंट कोठरी खाटू में
मुझे बनवा दो अर्जेंट झोपडी खाटू में

तेरे दर्शन करे बिना ना तबियत मेरी लगती है
इस दुनिया की चकाचोंध में गरम खोपड़ी रहती है
रहेगी अब साइलेंट खोपड़ी खाटू में
मुझे बनवा दो अर्जेंट झोपडी खाटू में

तेरा दीवाना हूँ में पुराना चाहे तो आज़मा ले रे
राज अनाड़ी अमित के संग में भजन श्याम के गा ले रे
रहूँगा मैं प्रेजेंट हर घडी खाटू में
मुझे बनवा दो अर्जेंट झोपडी खाटू में

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b2%e0%a4%97%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%a6%e0%a5%87-%e0%a4%85%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%9c%e0%a5%87%e0%a4%82%e0%a4%9f-%e0%a4%a8%e0%a5%8c%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f/